पंजाब केसरी
SAT,23 MAY 2026
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 1

सी.आर.एस.यू. में अब तीसरी आंख रखेगी विद्यार्थियों पर नजर

- डिजिटलाइजेशन की ओर ऐतिहासिक कदम
- कुलगुरु ने किया कंट्रोल रूम और परीक्षा केंद्रों का दौरा
- पारदर्शी परीक्षाओं की दिशा में बड़ा बदलाव

डिजिटल कैमरों की जांच करते वी.सी.।

जींद, 22 मई (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद ने प्रदेश में परीक्षा प्रणाली को आधुनिक, पारदर्शी और नकल मुक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए डिजिटलाइजेशन आधारित परीक्षा व्यवस्था लागू की है। विश्वविद्यालय हरियाणा का पहला ऐसा विश्वविद्यालय बन गया है जिसने परीक्षाओं में डिजिटल निगरानी प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू करते हुए प्रत्येक परीक्षा कक्ष में डिजिटल कैमरों की व्यवस्था की है, ताकि विद्यार्थियों की प्रत्येक गतिविधि पर सतत निगरानी रखी जा सके।

विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उठाया गया यह कदम परीक्षा प्रणाली को पूर्णत: नकल मुक्त, पारदर्शी एवं अनुशासित बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल माना जा रहा है। डिजिटल कैमरों के माध्यम से परीक्षा केंद्रों की लाइव मॉनिटरिंग की जा रही है, जिसके लिए विश्वविद्यालय परिसर में विशेष कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है। इस कंट्रोल रूम के माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन सभी परीक्षा केंद्रों की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता को तुरंत रोका जा सके।

विश्वविद्यालय कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी ने परीक्षा केंद्रों एवं कंट्रोल रूम का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं परीक्षा ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों को परीक्षा प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कुलगुरु ने परीक्षा केंद्रों पर विद्यार्थियों से भी बातचीत की तथा उन्हें ईमानदारी एवं अनुशासन के साथ परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया।

प्रो. सैनी ने कहा कि आज का युग तकनीक और नवाचार का युग है तथा शिक्षा संस्थानों को समय के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल परीक्षाएं करवाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन और पारदर्शिता की भावना विकसित करना भी है। डिजिटल निगरानी व्यवस्था परीक्षा प्रणाली को अधिक विश्वसनीय बनाएगी तथा विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगी।

उन्होंने कहा कि नकल मुक्त परीक्षा व्यवस्था किसी भी शिक्षण संस्थान की सबसे बड़ी पहचान होती है और सी.आर.एस.यू. इस दिशा में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षाओं में पारदर्शिता, दक्षता एवं त्रुटि रहित प्रक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डिजिटल उपस्थिति प्रणाली लागू की गई है। इस प्रणाली के अंतर्गत उत्तर पुस्तिकाओं पर बारकोड का उपयोग करते हुए अभ्यर्थियों की उपस्थिति डिजिटल माध्यम से दर्ज की जाती है। इससे अभ्यर्थियों द्वारा उपस्थिति विवरण भरते समय होने वाली गलत प्रविष्टियों में कमी आएगी तथा परिणाम घोषित होने में होने वाली अनावश्यक देरी की समस्या का प्रभावी समाधान संभव होगा।

परीक्षाओं में सी.सी.टी.वी. निगरानी प्रणाली की लागू

इसके अतिरिक्त चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद द्वारा मई 2026 से आयोजित परीक्षाओं में केंद्रीकृत सी.सी.टी.वी. निगरानी प्रणाली भी लागू की गई है। इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य परीक्षाओं के दौरान अनुचित गतिविधियों एवं अनधिकृत व्यवहार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा परीक्षाओं की पारदर्शिता बनाए रखना है। साथ ही, यह प्रणाली दूरस्थ निगरानी तंत्र को मजबूत बनाकर परीक्षा प्रक्रिया को अधिक निष्पक्ष, सुरक्षित एवं विश्वसनीय बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए ऐसी व्यवस्थाएं विकसित कर रहा है, जिससे उनकी डिग्री की विश्वसनीयता और गुणवत्ता राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूत हो सके।

डिजिटल तकनीकों का व्यापक विस्तार करेगा वि.वि. : प्रो. सैनी

वी.सी. प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि विश्वविद्यालय आने वाले समय में शिक्षा, परीक्षा, प्रशासन एवं शोध कार्यों में भी डिजिटल तकनीकों का व्यापक विस्तार करेगा। उन्होंने कहा कि तकनीक के माध्यम से कार्यों में पारदर्शिता, गति और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है तथा सी.आर.एस.यू. इसी सोच के साथ आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय प्रदेश ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी एक आदर्श एवं आधुनिक विश्वविद्यालय के रूप में अपनी पहचान स्थापित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

पहली बार हो रही ऐसी निगरानी : बंसल

परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेश बंसल ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा पहली बार इस प्रकार की डिजिटल परीक्षा निगरानी व्यवस्था लागू की गई है, जिसमें प्रत्येक परीक्षा कक्ष को कैमरों से जोड़ा गया है। कंट्रोल रूम से सभी परीक्षा केंद्रों पर एक साथ नजर रखी जा रही है, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता पर तुरंत कार्रवाई संभव हो सकेगी।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन का उद्देश्य केवल नकल रोकना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को एक निष्पक्ष एवं स्वस्थ परीक्षा वातावरण उपलब्ध करवाना भी है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से परीक्षा संचालन अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और विश्वसनीय बन सकेगा।

सी.आर.एस.यू. जींद द्वारा उठाया गया यह ऐतिहासिक कदम न केवल परीक्षा प्रणाली में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा, बल्कि प्रदेश में डिजिटल एवं पारदर्शी शिक्षा व्यवस्था की नई शुरूआत भी मानी जा रही है।

सटीक नजर-सबकी खबर

INDIA TIMER

इंडिया टाइमर

इंडिया टाइमर में विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
मोबाइल : 9050007221 9467504707

www.indiatimer.com indiatimer1@gmail.com indiatimer1 वर्ष : 12 || अंक : 11 || जींद, 23 मई 2026 || पृष्ठ : 4 || मूल्य : 3 रुपए INDIATIMER @indiatimer1

नकल रोकने के लिए सीआरएसयू का खास प्रयोग

परीक्षार्थियों पर तीसरी आंख की रहेगी नजर

संजय शर्मा

जींद,(इंडिया टाइमर): जींद के चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में परीक्षा देने वाले छात्रों पर तीसरी आंख की नजर रहेगी। परीक्षाए नकल मुक्त, पारदर्शी एंव अनुशासित तरीके से हो इसके लिए जींद विश्वविद्यालय ने यह अहम कदम उठाया है। विश्वविद्यालय वाइस चांसलर प्रो.राम पाल सैनी ने इस व्यवस्था को इम्पलीमेंट कराने के साथ शुक्रवार को परीक्षा केंद्रों एवं कंट्रोल रूम का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि जींद ने प्रदेश में परीक्षा प्रणाली को आधुनिक, पारदर्शी और नकल मुक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए डिजिटलाइजेशन आधारित परीक्षा मॉनिटरिंग की जा रही है, जिसके लिए विश्वविद्यालय परिसर में विशेष कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है। इस कंट्रोल रूम के माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन सभी परीक्षा केंद्रों की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता को तुरंत रोका जा सके। विश्वविद्यालय वाइस चांसलर नेप्रो.राम पाल सैनी ने परीक्षा केंद्रों एवं कंट्रोल रूम का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं परीक्षा ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों को परीक्षा प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वाइस चांसलर ने परीक्षा केंद्रों पर विद्यार्थियों से भी बातचीत की तथा उन्हें ईमानदारी एवं अनुशासन के साथ परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया। प्रो. सैनी ने कहा कि आज का युग तकनीक और नवाचार का युग है तथा शिक्षा संस्थानों को समय के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल परीक्षाएं करवाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन और पारदर्शिता की भावना विकसित करना भी है। डिजिटल निगरानी व्यवस्था परीक्षा प्रणाली को अधिक विश्वसनीय बनाएगी तथा विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगी।उन्होंने कहा कि नकल मुक्त परीक्षा व्यवस्था व्यवस्था लागू की है। विश्वविद्यालय हरियाणा का पहला ऐसा विश्वविद्यालय बन गया है जिसने परीक्षाओं में डिजिटल निगरानी प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू करते हुए प्रत्येक परीक्षा कक्ष में डिजिटल कैमरों की व्यवस्था की है, ताकि विद्यार्थियों की प्रत्येक गतिविधि परसतत निगरानी रखी जा सके। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उठाया गया यह कदम परीक्षा प्रणाली को पूर्णतः नकल मुक्त, पारदर्शी एवं अनुशासित बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल माना जा रहा है। डिजिटल कैमरों के माध्यम से परीक्षा केंद्रों की लाइव आयाम स्थापित कर रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षाओं में पारदर्शिता, दक्षता एवं त्रुटि रहित प्रक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डिजिटल उपस्थिति प्रणाली लागू की गई है। इस प्रणाली के अंतर्गत उत्तर पुस्तिकाओं पर बारकोड का उपयोग करते हुए अभ्यर्थियों की उपस्थिति डिजिटल माध्यम से दर्ज की जाती है। इससे अभ्यर्थियों द्वारा उपस्थिति विवरण भरते समय होने वाली गलत प्रविष्टियों में कमी आएगी तथा परिणाम घोषित होने में होने वाली अनावश्यक देरी की समस्या का प्रभावी समाधान संभव होगा। इसके अतिरिक्त, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद द्वारा मई 2026 से आयोजित परीक्षाओं में केंद्रीकृत सीसीटीवी निगरानी प्रणाली भी लागू की गई है। इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य परीक्षाओं के दौरान अनुचित गतिविधियों एवं अनधिकृत व्यवहार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा परीक्षाओं की पारदर्शिता बनाए रखना है। साथ ही, यह प्रणाली दूरस्थ निगरानी तंत्र को मजबूत बनाकर परीक्षा प्रक्रिया को अधिक निष्पक्ष, सुरक्षित एवं विश्वसनीय बनाने में सहायक सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए ऐसी व्यवस्थाएं विकसित कर रहा है, जिससे उनकी डिग्री की विश्वसनीयता और गुणवत्ता राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूत हो सके। प्रो. सैनी ने आगे कहा कि विश्वविद्यालय आने वाले समय में शिक्षा,परीक्षा, प्रशासन एवं शोध कार्यों में भी डिजिटल तकनीकों का व्यापक विस्तार करेगा। उन्होंने कहा कि तकनीक के माध्यम से कार्यों में पारदर्शिता, गति और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है तथा सीआरएसयू इसी सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय प्रदेश ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी एक आदर्श एवं आधुनिक विश्वविद्यालय के रूप में अपनी पहचान स्थापित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

वीसी ने लिया कंट्रोल रूम और परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था का जायजा

पारदर्शी परीक्षाओं की दिशा में बड़ा बदलाव : प्रो. सैनी

किसी भी शिक्षण संस्थान की सबसे बड़ी पहचान होती है और सीआरएसयू इस दिशा में निरंतर नए

पहली बार डिजिटल परीक्षा निगरानी व्यवस्था लागू की : बंसल

परीक्षा नियंत्रक डॉ राजेश बंसल ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा पहली बार इस प्रकार की डिजिटल परीक्षा निगरानी व्यवस्था लागू की गई है, जिसमें प्रत्येक परीक्षा कक्ष को कैमरों से जोड़ा गया है। कंट्रोल रूम से सभी परीक्षा केंद्रों पर एक साथ नजर रखी जा रही है, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता पर तुरंत कार्रवाई संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन का उद्देश्य केवल नकल रोकना ही नहीं,बल्कि विद्यार्थियों को एक निष्पक्ष एवं स्वस्थ परीक्षा वातावरण उपलब्ध करवाना भी है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से परीक्षा संचालन अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और विश्वसनीय बन सकेगा। सीआरएसयू जींद द्वारा उठाया गया यह ऐतिहासिक कदम न केवल परीक्षा प्रणाली में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा,बल्कि प्रदेश में डिजिटल एवं पारदर्शी शिक्षा व्यवस्था की नई शुरुआत भी मानी जा रही है।

नकल रोकने के लिए सीआरएसयू का खास प्रयोग

परीक्षार्थियों पर तीसरी आंख की रहेगी नजर,वीसी ने लिया कंट्रोल रूम और परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था का जायजा

जींद,संजय शर्मा(पंजाब केसरी): जींद के चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में परीक्षा देने वाले छात्रों पर तीसरी आंख की नजर रहेगी। परीक्षाए नकल मुक्त, पारदर्शी एंव अनुशासित तरीके से हो इसके लिए जींद विश्वविद्यालय ने यह अहम कदम उठाया है। विश्वविद्यालय वाइस चांसलर प्रो.राम पाल सैनी ने इस व्यवस्था को इम्पलीमेंट कराने के साथ शुक्रवार को परीक्षा केंद्रों एवं कंट्रोल रूम का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि जींद ने प्रदेश में परीक्षा प्रणाली को आधुनिक, पारदर्शी और नकल मुक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए डिजिटलाइजेशन आधारित परीक्षा व्यवस्था लागू की है। विश्वविद्यालय हरियाणा का पहला ऐसा विश्वविद्यालय बन गया है जिसने परीक्षाओं में डिजिटल निगरानी प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू करते हुए प्रत्येक परीक्षा कक्ष में डिजिटल कैमरों की व्यवस्था की है, ताकि विद्यार्थियों की प्रत्येक गतिविधि परसतत निगरानी रखी जा सके। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उठाया गया यह कदम परीक्षा प्रणाली को पूर्णत: नकल मुक्त, पारदर्शी एवं अनुशासित बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल माना जा रहा है। डिजिटल कैमरों के माध्यम से परीक्षा केंद्रों की लाइव मॉनिटरिंग की जा रही है, जिसके लिए विश्वविद्यालय परिसर में विशेष कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है। इस कंट्रोल रूम के माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन सभी परीक्षा केंद्रों की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता को तुरंत रोका जा सके। विश्वविद्यालय वाइस चांसलर नेप्रो.राम पाल सैनी ने परीक्षा केंद्रों एवं कंट्रोल रूम का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं परीक्षा ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों को परीक्षा प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वाइस चांसलर ने परीक्षा केंद्रों पर विद्यार्थियों से भी बातचीत की तथा उन्हें ईमानदारी एवं अनुशासन के साथ परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया। प्रो. सैनी ने कहा कि आज का युग तकनीक और नवाचार का युग है तथा शिक्षा संस्थानों को समय के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल परीक्षाएं करवाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन और पारदर्शिता की भावना विकसित करना भी है। डिजिटल निगरानी व्यवस्था परीक्षा प्रणाली को अधिक विश्वसनीय बनाएगी तथा विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगी।उन्होंने कहा कि नकल मुक्त परीक्षा व्यवस्था किसी भी शिक्षण संस्थान की सबसे बड़ी पहचान होती है और सीआरएसयू इस दिशा में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षाओं में पारदर्शिता, दक्षता एवं त्रुटि रहित प्रक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डिजिटल उपस्थिति प्रणाली लागू की गई है।

परीक्षा कें द्रो में व्यवस्था का जायजा लेते हुए प्रो. रामपाल सैनी।

पहली बार डिजिटल परीक्षा निगरानी व्यवस्था लागू की : बंसल

परीक्षा नियंत्रक डॉ राजेश बंसल ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा पहली बार इस प्रकार की डिजिटल परीक्षा निगरानी व्यवस्था लागू की गई है, जिसमें प्रत्येक परीक्षा कक्ष को कैमरों से जोड़ा गया है। कंट्रोल रूम से सभी परीक्षा केंद्रों पर एक साथ नजर रखी जा रही है, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता पर तुरंत कार्रवाई संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन का उद्देश्य केवल नकल रोकना ही नहीं,बल्कि विद्यार्थियों को एक निष्पक्ष एवं स्वस्थ परीक्षा वातावरण उपलब्ध करवाना भी है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से परीक्षा संचालन अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और विश्वसनीय बन सकेगा। सीआरएसयू जींद द्वारा उठाया गया यह ऐतिहासिक कदम न केवल परीक्षा प्रणाली में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा,बल्कि प्रदेश में डिजिटल एवं पारदर्शी शिक्षा व्यवस्था की नई शुरुआत भी मानी जा रही है।

दैनिक भास्कर

जींद भास्कर 23-05-2026

सीआरएसयू में सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में हो रही परीक्षा

वीसी ने किया कंट्रोल रूम और परीक्षा केंद्रों का दौरा

भास्कर न्यूज | जींद

सीआरएसयू ने परीक्षा प्रणाली को नकल मुक्त बनाने के लिए डिजिटलाइजेशन आधारित व्यवस्था लागू की है। विश्वविद्यालय हरियाणा का पहला विश्वविद्यालय बन गया है, जहां परीक्षाओं में डिजिटल निगरानी प्रणाली को प्रभावी तरीके से लागू किया गया है। हर परीक्षा कक्ष में डिजिटल कैमरे लगाए गए हैं। छात्रों की हर गतिविधि पर लगातार नजर रखी जा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक यह कदम परीक्षा को पूरी तरह नकल मुक्त, पारदर्शी और अनुशासित बनाने की दिशा में अहम है। डिजिटल कैमरों से परीक्षा केंद्रों की लाइव मॉनिटरिंग हो रही है। वीसी राम पाल सैनी ने परीक्षा केंद्रों और कंट्रोल रूम का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों और परीक्षा ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों को निष्पक्ष परीक्षा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर छात्रों से बातचीत की। ईमानदारी और अनुशासन से परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय ने मई 2026 से होने वाली परीक्षाओं में केंद्रीकृत सीसीटीवी निगरानी प्रणाली भी लागू की है। इसका उद्देश्य परीक्षा के दौरान अनुचित गतिविधियों और अनधिकृत व्यवहार पर नियंत्रण रखना है। परीक्षा नियंत्रक राजेश बंसल ने बताया कि विश्वविद्यालय ने पहली बार इस तरह की डिजिटल परीक्षा निगरानी व्यवस्था लागू की है।

जींद. सीआरएसयू में परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए वीसी प्रो.राम पाल सैनी।

दैनिक जागरण

Date- 23.05.2026

सीआरएसयू में पहरा देगी तीसरी आंख, छात्रों पर रखी जाएगी नजर

डिजिटल तकनीक से परीक्षा संचालन पारदर्शी, सुरक्षित और विश्वसनीय बन सकेगा

- कुलगुरु प्रो. रामपाल ने किया परीक्षा केंद्रों और कंट्रोल रूम का दौरा
- विश्वविद्यालय परिसर में विशेष कंट्रोल रूम भी स्थापित किया

सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण करते कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी ● सौ. विवि

जागरण संवाददाता ● जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में अब विद्यार्थियों पर तीसरी आंख से नजर रखी जाएगी। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी ने शुक्रवार को कंट्रोल रूम का दौरा कर इसका निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों का भी दौरा किया। विश्वविद्यालय ने परीक्षा प्रणाली को आधुनिक, पारदर्शी और नकल मुक्त बनाने की दिशा में एक पहल करते हुए डिजिटलाइजेशन आधारित परीक्षा व्यवस्था लागू की है। यह हरियाणा का पहला ऐसा विश्वविद्यालय बन गया है, जिसने परीक्षाओं में डिजिटल निगरानी प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू करते हुए प्रत्येक परीक्षा कक्ष में डिजिटल कैमरों की व्यवस्था की है, ताकि विद्यार्थियों की प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखी जा सके। इसके लिए विश्वविद्यालय परिसर में विशेष कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है। इस कंट्रोल रूम के माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन सभी परीक्षा केंद्रों की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता को तुरंत रोका जा सके। प्रो. रामपाल सैनी ने परीक्षा केंद्रों एवं कंट्रोल रूम का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं परीक्षा ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों को परीक्षा प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कुलगुरु ने परीक्षा केंद्रों पर विद्यार्थियों से भी बातचीत की तथा उन्हें ईमानदारी एवं अनुशासन के साथ परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया। प्रो. सैनी ने कहा कि आज का युग तकनीक और नवाचार का युग है तथा शिक्षा संस्थानों को समय के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल परीक्षाएं करवाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन और पारदर्शिता की भावना विकसित करना भी है। डिजिटल निगरानी व्यवस्था परीक्षा प्रणाली को अधिक विश्वसनीय बनाएगी तथा विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगी। नकल मुक्त परीक्षा व्यवस्था किसी भी शिक्षण संस्थान की सबसे बड़ी पहचान होती है और सीआरएसयू इस दिशा में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है। इस प्रणाली के अंतर्गत उत्तर पुस्तिकाओं पर बारकोड का उपयोग करते हुए अभ्यर्थियों की उपस्थिति डिजिटल माध्यम से दर्ज की जाती है। इससे अभ्यर्थियों द्वारा उपस्थिति विवरण भरते समय होने वाली गलत प्रविष्टियों में कमी आएगी तथा परिणाम घोषित होने में होने वाली अनावश्यक देरी की समस्या का समाधान संभव होगा।

प्रत्येक परीक्षा कक्ष को कैमरों से जोड़ा

परीक्षा नियंत्रक डा. राजेश बंसल ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा पहली बार इस प्रकार की डिजिटल परीक्षा निगरानी व्यवस्था लागू की गई है, जिसमें प्रत्येक परीक्षा कक्ष को कैमरों से जोड़ा गया है। कंट्रोल रूम से सभी परीक्षा केंद्रों पर एक साथ नजर रखी जा रही है। इससे किसी भी प्रकार की अनियमितता पर तुरंत कार्रवाई संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन का उद्देश्य केवल नकल रोकना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को एक निष्पक्ष एवं स्वस्थ परीक्षा वातावरण उपलब्ध करवाना भी है।

सीआरएसयू में डिजिटल निगरानी में होगी परीक्षा, नकल पर रोक

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय (सीआरएसयू) ने परीक्षा प्रणाली को आधुनिक और पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। विश्वविद्यालय ने डिजिटल निगरानी आधारित परीक्षा व्यवस्था लागू कर हर परीक्षा कक्ष को हाई-टेक बना दिया है। सभी कमरों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और एक केंद्रीकृत कंट्रोल रूम से पूरी परीक्षा प्रक्रिया की लाइव मॉनिटरिंग की जा रही है।

सीआरएसयू में परीक्षा की निगरानी करते कुलपति प्रोफेसर रामपाल सैनी। स्रोत : सीआरएसयू

कंट्रोल रुम से लाइव मॉनिटरिंग शुरु नकल मुक्त व पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की दिशा में कदम

विश्वविद्यालय प्रशासन का दावा है कि यह हरियाणा का पहला ऐसा विश्वविद्यालय बन गया है जहां परीक्षा व्यवस्था में डिजिटल निगरानी प्रणाली को इतने व्यापक और प्रभावी स्तर पर लागू किया गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य नकल-मुक्त, पारदर्शी और अनुशासित परीक्षा वातावरण तैयार करना है, ताकि विद्यार्थियों की वास्तविक क्षमता का सही मूल्यांकन हो सके।

कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी ने परीक्षा केंद्रों और कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए कि परीक्षा संचालन में किसी भी तरह की लापरवाही न बरती जाए। इस दौरान उन्होंने छात्रों से संवाद भी किया और उन्हें ईमानदारी, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया।

प्रो. सैनी ने कहा कि तकनीक के इस दौर में शिक्षा संस्थानों को आधुनिक व्यवस्थाएं अपनानी जरूरी हैं। विश्वविद्यालय केवल परीक्षाएं करवाने तक सीमित नहीं है बल्कि विद्यार्थियों में नैतिकता, अनुशासन और पारदर्शिता की भावना विकसित करना भी उसका उद्देश्य है।

विश्वविद्यालय ने डिजिटल उपस्थिति प्रणाली भी लागू की है। इसके तहत उत्तर पुस्तिकाओं पर बारकोड के माध्यम से विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज की जा रही है। इससे गलत प्रविष्टियों में कमी आएगी और परीक्षा परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया तेज होगी।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेश बंसल ने बताया कि मई 2026 से आयोजित परीक्षाओं में केंद्रीकृत सीसीटीवी निगरानी प्रणाली लागू की गई है। कंट्रोल रूम से सभी परीक्षा केंद्रों पर एक साथ नजर रखी जा रही है। किसी भी तरह की अनियमितता होने पर तुरंत कार्रवाई संभव होगी।